



लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

TWO-DAY ORIENTATION PROGRAMME FOR MEMBERS OF GUJARAT LEGISLATIVE ASSEMBLY IN GANDHINAGAR CONCLUDES/गांधीनगर में गुजरात विधान सभा के सदस्यों के लिए आयोजित दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम संपन्न हुआ

...

GOVERNOR OF GUJARAT DELIVERED VALEDICTORY ADDRESS ON CONCLUSION OF THE ORIENTATION PROGRAMME/गुजरात के राज्यपाल ने प्रबोधन कार्यक्रम में समापन भाषण दिया

...

Gandhinagar; 16 February, 2023: The two day Orientation Programme for Members of Gujarat Legislative Assembly at Gandhinagar, inaugurated by Lok Sabha Speaker Shri Om Birla yesterday, concluded today with the valedictory address of Governor of Gujarat Acharya Devvrat.

Speaking on the occasion, Shri Devvrat lauded the initiative of organising an Orientation Programme for newly elected Members of Gujarat Legislative Assembly and hoped that the insights and experiences shared during the Programme would equip Members with better understanding of legislative work.

Shri Devvrat informed the Members about the need for natural farming in India. Mentioning about the growing lifestyle diseases like cancer and heart attacks, he said that the main reason for the diseases is use of pesticides and insecticides in food cultivation. If the farmers will continue to use chemicals like they are using now, there will be cancer explosion in India, said Shri Devvrat. Speaking about the difference between organic farming and natural farming, he said that whereas both chemical farming and organic farming are responsible for global warming and

climate change, natural farming is the solution to these problems. Shri Devvrat urged the Members to educate farmers to adopt natural farming and not organic farming as replacement of chemical farming.

At the Valedictory Session Chief Minister Shri Bhupendra Patel said that all the MLAs elected to the 15th Legislative Assembly of Gujarat represent the will of the people, and they are the voice of citizens. Therefore, the Orientation Program will prove to be useful for all.

The Chief Minister underlined that being public representative, the behavior of the Members in the House and the manner in which they participate in discussions is always in the public eye. He added that he firmly believes that the guidance provided on various topics during the Orientation Program will be beneficial for all the Members in the future.

Earlier, welcoming the Governor, Speaker of Gujarat Legislative Assembly Shri Shankar Chaudhary mentioned about several initiatives have been taken in the Assembly for capacity building of the Members.

The Chief Minister and Speaker of the Legislative Assembly expressed hope that the benefits of the two day orientation programme will be reflected in the functioning of the legislators.

The Orientation Programme focused on promoting a deeper understanding and appreciation of the constitutional role and position of the Parliament as the supreme representative institution, familiarizing the Members more closely with the operational mechanisms, parliamentary traditions, conventions, and etiquette.

As part of the orientation programme, the Members of Gujarat Legislative Assembly were given training on ‘How to be an Effective Legislator?’; ‘Committee System and Parliamentary Questions’ ; ‘Budgetary Process’; ‘Legislative Process’; ‘India’s Presidency in G-20’; ‘Procedural Devices to Raise Matters of Urgent Public Importance in the House’ ; ‘Functioning of a Legislature: Do’s and Don’ts’ ; ‘Parliamentary Privileges and Ethics’; and ‘Importance of Constitutional Bodies in a Democracy’.

The Orientation Programme for the Members of Gujarat Legislature was organised by Parliamentary Research and Training Institute for Democracies (PRIDE), Lok Sabha Secretariat in coordination with Gujarat Legislative Assembly Secretariat.

गांधीनगर; 16 फरवरी, 2023: गांधीनगर में गुजरात विधान सभा के सदस्यों के लिए दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम, जिसका उद्घाटन लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने कल किया था, आज गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत के समापन भाषण के साथ संपन्न हुआ।

इस अवसर पर बोलते हुए, श्री देवव्रत ने गुजरात विधान सभा के नवनिर्वाचित सदस्यों के लिए एक प्रबोधन कार्यक्रम आयोजित करने की पहल की सराहना की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि कार्यक्रम के दौरान साझा किए गए अनुभवों से सदस्यों को अपना विधायी काम प्रभावी ढंग से करने में मदद मिलेगी।

श्री देवव्रत ने सदस्यों को भारत में प्राकृतिक खेती की आवश्यकता के बारे में बताया। कैंसर और हार्ट अटैक जैसी बढ़ती जीवन शैली की बीमारियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इन बीमारियों का मुख्य कारण खाद्यान्न की खेती में रासायनिक उर्वरक और कीटनाशकों का प्रयोग है। श्री देवव्रत ने कहा कि अगर किसान रासायनिक उर्वरक और कीटनाशकों का उपयोग जारी रखेंगे जैसे वे अभी कर रहे हैं, तो भारत में कैंसर विस्फोट होगा। जैविक खेती और प्राकृतिक खेती के बीच के अंतर के बारे में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि जहां जैविक खेती ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के लिए जिम्मेदार हैं, वहीं प्राकृतिक खेती इन समस्याओं का समाधान है। श्री देवव्रत ने सदस्यों से आग्रह किया कि वे किसानों को रासायनिक खेती के स्थान पर जैविक खेती के बजाय प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए शिक्षित करें।

मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल ने प्रबोधन कार्यक्रम के समापन के अवसर पर कहा कि गुजरात की 15वीं विधानसभा में निर्वाचित सभी विधायक जनता के प्रतिनिधि हैं, नागरिकों की आवाज हैं, इसलिए सदन में जनता के प्रश्नों के निवारण हेतु आयोजित प्रबोधन कार्यक्रम सभी के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि जनप्रतिनिधि होने के नाते सदन में सदस्यों का व्यवहार, सवाल और समस्याओं की चर्चा में भाग लेने का तरीका सदैव जनता की नजर में रहता है। उन्होंने आगे कहा कि उनका दृढ़ विश्वास है कि प्रबोधन कार्यक्रम में जनसमस्याओं के विभिन्न विषयों पर दिया गया मार्गदर्शन भविष्य में सभी सदस्यों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा।

इससे पहले, राज्यपाल का स्वागत करते हुए गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष श्री शंकर चौधरी ने सदस्यों की क्षमता निर्माण के लिए विधानसभा में की गई कई पहलों का उल्लेख किया।

मुख्यमंत्री व विधानसभा अध्यक्ष ने उम्मीद जताई कि दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम का लाभ विधायकों के कामकाज में दिखेगा।

इस प्रबोधन कार्यक्रम में मुख्य रूप से सर्वोच्च प्रतिनिधि संस्था के रूप में संसद की संवैधानिक भूमिका की गहन जानकारी के साथ ही सदस्यों को विधायिका की कार्य प्रणाली, संसदीय परंपराओं, बैठकों और शिष्टाचार के विषय में बताया गया।

प्रबोधन कार्यक्रम में गुजरात विधान सभा के सदस्यों को 'प्रभावी विधायक कैसे बनें?'; 'समिति प्रणाली और संसदीय प्रश्न'; 'बजटीय प्रक्रिया'; 'विधायी प्रक्रिया'; 'जी-20 में भारत की अध्यक्षता'; 'सदन में अविलंबनीय लोक हित के मामलों को उठाने के प्रक्रियात्मक साधन'; 'विधायिका के कार्यकरण: क्या करें और क्या न करें'; 'संसदीय विशेषाधिकार और आचार'; तथा 'लोकतंत्र में संवैधानिक निकायों का महत्व' जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया।

गुजरात विधानमंडल के सदस्यों के लिए इस प्रबोधन कार्यक्रम का आयोजन लोक सभा सचिवालय के संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा गुजरात विधान सभा सचिवालय के समन्वय से किया गया।